एक उपयोग किया हुआ वस्त्र

मैं अभी पास्टर के साथ अंदर था। मैंने कहा... मैंने कल उससे मुझे फोन करने के लिए कहा था। और मैं देखने के लिए आया, मैं बस... सारे दिन भर, कोई फोन नहीं आया, और मैंने सोचा, "तो, मैं सोचने लगा कि क्या गलत है? कुछ तो... सब कुछ बहुत ही शांतिपूर्वक है।" और कुछ समय के बाद, बहन वुड कुछ फोन के साथ वहां आयी। मेरा फोन बंद हो गया था, इसलिए यदि आप में से किसी ने फोन किया था। फोन की घंटी बजी थी, लेकिन इसकी घंटी वहां पर नहीं गूंज रही थी, क्योंकि वहां नीचे स्विचबोर्ड पर समस्या थी। उन्होंने इसे कल रात लगभग आठ बजे ठीक किया, या शायद उससे थोड़ा पहले, और, फोन, अब इसमें से फोन आ रहे हैं।

2 हम आज सुबह सभा में उपस्थित होकर खुश हैं। मुझे बहुत ही ज्यादा सर्दी हो गयी, जो आमतौर पर घर वापस आने पर मुझे होती है। अपनी कमर तक बर्फ में यहाँ–वहां घूमें, और रात को सोएं। इसे यहाँ से दूर कभी भी न सोचें, लेकिन बस उस पहाड़ी को न्यू अल्बानी में पार जाये, आपको बस इतना करना है, इस घाटी में जाने के लिए, तब मुझे बहुत ठंड लग गई। और यह एक... मैं नहीं जानता, यहाँ घाटी में कुछ ऐसा है जो इसे नीचे रखता है। और यह कम है, और यह मेरे साथ बिल्कुल भी मेल नहीं खाता है।

3 अब, हम कलीसिया में आकर खुश हैं, जैसा कि मैंने कहा है, और हमारे प्रिय अच्छे पास्टर को सुनना जिन्होंने हमारे लिए उसके निवेदन के शब्दों को रखा और प्रभु यीशु को। और—और इसे सुनकर, बहुत से बीमार और जरूरतमंद लोग है ये सुनकर दु:ख हुआ, और कैसे शैतान हर किसी को बीमार करने के लिए हिंसात्मक हो रहा है।

4 और एक छोटी महिला अपनी बहन के लिए वहां खड़ी हो गयी, और मैं जानता हूं कि बहन सॉयर वहां उसके साथ थी। डॉक्टर ने अब उसे मरने के लिए घर भेज दिया था। और वह अब भी विश्वास करती है कि वह चंगी हो जाएगी। और वो गंभीर है, उसकी हालत बहुत ही गंभीर है। मेरी सास भी, उसी तरह से, अब सत्तर वर्ष की हो गई हैं। वो बहुत बुरी अवस्था में

है। और निश्चित रूप से देश भर में बहुत सारी बीमारियाँ हैं। और फिर देश भर में वहां एक पवित्र आत्मा है, देखो, जो हमारी बीमारी को चंगा करता है, यदि हम केवल उससे अनुग्रह को पा सके।

5 और अब, क्योंकि मेरा गला खराब हुआ है, ख़राब नहीं है, लेकिन यह नम है। और मैं प्रचार करने की कोशिश नहीं करूंगा, लेकिन केवल वचन से थोड़ी देर के लिए आपसे बात करूंगा, और उसके बाद बीमारों के लिये प्रार्थना करेंगे, जिसे करने का मैंने वादा दिया है। लेकिन ऐसा करने से ठीक पहले, मैं कुछ और सभाओं की घोषणा करना चाहूंगा। मैं...

6 मेरी सभाओं में मेरा थोड़ा एक प्रकार से विरोध हुआ था... विरोध नहीं, बस थोड़ी सी गलतफहमी। और बहुत सी बार, मेरे—मेरे पास मेरी सभा के लिए अभिव्यक्त करने का जरिया नहीं होता हैं, जैसे—जैसे कार्य क्षेत्र पर अन्य भाइयों के पास होता है, जैसे रेडियो और टेलीविजन, और पत्रिकाएँ और इत्यादि। और ऐसा करने में, क्योंकि, कोई कहेगा, "भाई ब्रंहम को यहाँ होना है।" अब इस सप्ताह के लिए तीन स्थानों पर मेरा विज्ञापन किया जा रहा है, बस आज ही, तीन अलग–अलग स्थानों पर किया गया है। एक वहां केंटकी में, दो कैलिफोर्निया में, जिसके बारे में मैं जानता हूं। और इसके विषय में आप कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि मुझे कोई अन्य आधिकारिक अभिव्यक्त करने का जरिया प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए यह इसे एक प्रकार से कठिन बना देता है।

7 और, हाँ, यदि यहाँ मैडिसनविले, केंटकी के आसपास से कोई होगा। मेरे लिए पिछले हफ्ते वहां होने की घोषणा की गई थी, और मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता था। और मैं घर आया, और—और उन्होंने इसकी घोषणा की थी; और जिस भाई ने ऐसा किया, उसका नाम एपली था। या, मैं सोचता हूं कि यही उसका नाम था। पूरे अच्छे विश्वास के साथ उसने ऐसा किया। उसने मुझे फोन किया और पूछा कि क्या हम बस एक आशीष होने के लिए—के लिए वहां जा सकते हैं और उसके लोगों से आशीष को पाने के लिए। और उसने फोन किया। मैंने उससे कहा कि भाई मूर से पूछे। खैर, फिर, मुझे जाना था। मैंने उसे बताया कि मुझे उसी दिन निकलना था। खैर, भाई मूर किसी को भी बताने से. चुक गये। और कब, या मुझे बताना, या मेरी पत्नी को बताना। सो मैं वहां इडाहो में था, और अभी–अभी वापस आया हूं, और सभा चल रही थी।

8 सो, और तो मैंने देखा, उस दौरान, ये लुईसियाना में यहां पर चलने वाली चीजों के लिए व्यवस्था नहीं कर सकते है। इसलिए, मैंने तब प्रबन्ध को खुद ही हाथो में ले लिया, जिससे कि सभाओ के लिए मेरे खुद के प्रबन्ध को करूं, जब तक मेरी सभायें... मैं बस एक तरह से... ओह, मैं नहीं जानता, मैं सोचता हूं कि किसी बात का अंगीकार करना प्राण के लिए अच्छा होता है। क्या आप ऐसा नहीं सोचते? मैं बस इन चीजों के विषय में बहुत अधिक धीमा रहा हूं। और बस किसी को भी, कहीं भी जाने देना, बस बेतरतीब ढंग से उसे जाने देना। और मुझे पता चला, ये भुगतान नहीं करता है। बहुत लंबे समय के बाद, आप रखते... इसके लिए आपके पास कुछ व्यवस्था होनी चाहिए। और अब मैं प्रबन्ध को करने की कोशिश कर रहा हूं।

9 और मैं—और मैं श्रीमती अर्नोल्ड को मिलूंगा। मैं... लुईसविले में यहाँ एक मनुष्य है जो बहुत ही भला रहा है, जब मैं यहाँ सभाओ को ले रहा था, और उसका नाम भाई बर्गम है। और वह एक—एक या दो रात की सभा को चाहता था। मैं उनके छोटे बालक टेडी देखने जा रहा हूँ, मेरा मानना है, टेडी अर्नोल्ड। इसी सप्ताह में किसी समय पर जाऊंगा।

10 और फिर आने वाले शनिवार और रविवार को, यदि मैं जा सकता हूं, प्रभु ने चाहा तो, मैं मैडिसनविल में होना चाहता हूं। उनके पास वहां पर पच्चीस, तीस सेवक थे। वे सारे वहाँ बैठे हुए, किसी के लिए वहां आये... एक सेवक तो छह, सात सौ मील से था। खैर, वहाँ कोई नहीं था, इसलिए वहाँ नहीं था, और मेरी अपनी कोई गलती नहीं थी, लेकिन मैं बस... लेकिन सिर्फ गलतफहमी होने से, या उसे फोन करने को अनदेखा करने से। और मैं अगले सप्ताह के अंत में वहाँ पर रहने की कोशिश करूँगा, प्रभु ने चाहा तो।

11 फिर, पाँच से लेकर छह तारीख तक, मैं ब्रुकलिन, न्यू यॉर्क में रहूँगा। और वहां से बाद में, चौदह, पंद्रह और सोलह को, पार्कर्सबर्ग, वेस्ट वर्जीनिया में रहूंगा। बस कल रात और आज सुबह ही उन दो व्यवस्थाओ को किया गया। अब, शार्लोट, दक्षिण कैरोलिना, अब मेरी सूची में है, लेकिन मैं नहीं जानता। उसके बाद आगे छुट्टियां आती हैं।

12 फिर हम पश्चिम की ओर जाएंगे, जहाँ पर वे एक—एक बडे सभागार में सभा को रखने जा रहे है। अब, ये छोटी–छोटी सभाये है—है जैसे कि उच्च

विद्यालय और इसी तरह के स्थानों में हैं। पश्चिमी तट पर वहाँ एक सभा होने जा रही है, ये उन—उन दो शहरो में होगी, ओकलैंड और सैन फ्रांसिस्को जो दोनों शहर ने मिलकर सभा को रखा है।

13 और फिर फीनिक्स प्रतिनिधिमंडल, क्योंकि भाई रॉबर्ट्स इस वर्ष वहां नहीं जा सकते है, मैं एक प्रकार से फ़ीनिक्स में उनके स्थान को लूंगा, पूरे मेरीकोपा क्षेत्र की सभा में—में। यह एक मिलकर प्रयास किया गया है।

14 और मेरे लिए प्रार्थना करना क्योंकि मुझे—मुझे इसकी आवश्यकता है। और मैं समझता हूँ कि हर समय विश्वास खुद को स्थापित करता है, शैतान हर एक बंदूक को नरक में ठीक इसकी ओर घुमाता है, इस तरह से, आप देखते हैं, इसलिए यह इसे बहुत कठिन बना देता है।

15 तो, आज सुबह, बीमारों के लिए प्रार्थना करना है। मैं परमेश्वर के अनंत वचन में से कुछ पढ़ना चाहता हूं, और वचनों से बस कुछ ही समय के लिए बोलना चाहता हूं, और उसके बाद बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे। ओह, मुझे उसके विषय में बात करना कितना अच्छा लगता है! क्या आपको पसंद नहीं? मुझे बस उसके बारे में बात करना पसंद है।

16 अब मैं बाईबल से 2रे राजा का दूसरा अध्याय, 12वाँ पद, उसके एक भाग को पढ़ना चाहता हूँ।

> *और उसे* एलीशा *देखता, और... पुकारता रहा, हाय मेरे पिता, हाय मेरे पिता, हाय इस्राएल के* रथ *और सवारो।*

17 और अब एक तरह के एक—एक पाठ के लिए, या एक विषय के लिए, मैं इस पर बोलना चाहता हूं: *एक उपयोग किया हुआ वस्त्र*। सो होने पाए प्रभु उसकी आशीषो को जोड़े जब हम आज सुबह आपसे बात करते है। और आप हमारे लिए प्रार्थना में रहे।

18 देश में इस्राएल के राज्य के इस समय के दौरान। इस्राएल एक राष्ट्र था, और यह एक शक्तिशाली राष्ट्र था, और यह इसके सैन्य क्षेत्र के बीच एक प्रकार से शांतिपूर्ण समय था। लेकिन इसके उस—उस आत्मिक क्षेत्र में, यह एक—एक प्रकार से एक नकल करने का—का समय था। और यदि हम पुराने नियम में पीछे मुड़कर देखें, तो हम हमेशा ही इसके उदाहरण को पा सकते हैं जो आज हो रहा है। हमेशा, बाईबल में, जो बातें अभी हैं, वे शुरुआत में जो थी, उसका प्रतिरूप हैं।

19 अब, उत्पत्ति की किताब हर एक चीज को उत्पन्न करती है जो आज संसार में है। संसार में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसका उत्पत्ति में आरंभ नहीं हुआ, क्योंकि यह शुरुआत है। वहां पर, हर एक वाद आरम्भ हुआ। उत्पत्ति में, हर एक चीज का आरंभ हुआ जिसकी शुरूवात हुई थी। और सच्ची कलीसिया उत्पत्ति में आरम्भ हुई। और झूठा विश्वासी उत्पत्ति में आरम्भ हुआ। और अपक्षपात उत्पत्ति में आरंभ हुआ। उत्पत्ति शुरुआत थी।

20 और अब एलिय्याह के राज्य के दौरान, या धरती पर एलिय्याह की यात्रा के दौरान, जो उस समय परमेश्वर का भविष्यव्यक्ता था।

21 और परमेश्वर ने स्वयं को कभी भी बिना गवाह के धरती पर नहीं छोड़ा है। परमेश्वर के पास हमेशा ही, कहीं न कहीं, एक व्यक्ति होता है जिस पर वो अपने हाथ को रख सकता था और एक गवाही के लिए खड़ा करता है। सो यदि उसने ऐसा किया, तो उत्पत्ति से लेकर, आरम्भ से लेकर, निश्चित रूप से, कहीं न कहीं, परमेश्वर के पास एक व्यक्ति हुआ है जिस पर वो अब अपने हाथ को रख सकता है। क्योंकि वो—वो अब एक से अधिक मनुष्य है, उसके पास बहुत से मनुष्य हैं जिन पर वो अपना हाथ रख सकता है, क्योंकि हम उस—उस एकत्र होने के समय पर आ रहे है, जो कटनी का समय है।

22 उत्पत्ति बीज का बोया जाना था, और इन छह हजार वर्ष में कटनी परिपक्व होते हुए आ रही हैं। और अब बीज स्वयं बीज बन चूका है। यह वापस अंकुरित होने में चला गया है, और अंकुरित होने से—से लेकर उस फल की ओर। और अब एकत्र होने का समय है, कटनी का समय, सारी बड़ी–बड़ी चीजें जो आरंभ हुई। सच्ची कलीसिया जो उत्पत्ति में आरंभ हुई थी, वह फल के समय में आ चुकी है, जो आत्मा के फल है। और वह मसीह विरोधी जो उत्पत्ति में आरम्भ हुये, वो उसके फल पर आ चूके है। और हम अब इस संसार की सम्पूर्ण व्यवस्था के पूरा होने के समय में हैं, वो... उस मरणहार के। और हम... यह सबसे महान समय है जो कोई भी, या किसी भी युग में, अब तक जीया गया, वो ये समय है। यह एक हिलावट का समय है। यह पापियों के लिए दुःखदायी समय है, लेकिन मसीही लोगो के लिए यह एक अद्भुत समय है, क्योंकि हम जानते हैं कि हम जाने के लिए तैयारी कर रहे है—है, या घर जाने और प्रभु से मिलने के लिए अंतिम छोटे प्रयास को एकत्र कर रहे हैं।

23 अब आज लोग, जब आप अपने आस–पास देखते हैं और देखते हैं कि राष्ट्र के सामने बड़ी मुसीबत और संकट है, जहाँ... कुछ रात पहले, मैं किसी से बात कर रहा था, इनमें से एक आगामी ख़तरे पर निगाह रखने वाला प्रतिनिधि था जो नजर रखता है, और उन्होंने कहा, "भाई ब्रंहम, हमें तो अभी–अभी सरकार से निर्देश मिला था लोगों को कभी भी अब और... फर्श पर खिड़की से दूर रहने की सलाह ना दे, यदि बम अचानक से आता है, या कभी भी तहखाने के अंदर ना जाये, क्योंकि यह नया बम जिसे वे मास्को से लुईसविले में चौथी स्ट्रीट तक बिना तार के संचालन कर सकते है, और सीधे सड़क पर गिरा सकते है, इसे फेंक सकते है, इसमें तार–... इसमें विस्फोटक चीजें होती है, और ये *इतने–इतने* हजारों, *इतने–इतने* हजारों, तारों और रडार के द्वारा संचालन करने की आवश्यकता होती है, और इसे मॉस्को, रूस से लुईसविले में बिल्कुल ठीक चौथी स्ट्रीट पर गिरा दिया, और जब यह वहां पर गिरता है, तो न तो विमान और न ही किसी का भी उपयोग करना होता है, बस इसे *यहां* पर से छोड़ दें, और यह सीधे *वहां* उतर जाएगा, और यह भूमि में, एक क्षेत्र को उड़ा करके एक गड्ढा बना देगा, एक सौ पचहत्तर फुट गहरा, पन्द्रह वर्ग मील के लिए किसी भी तरह से यह जाता है, पंद्रह वर्ग मील।" कुछ भी नहीं करना है, लेकिन ऊपर की उड़ान लेने के लिए तैयार हो जाये, केवल एक चीज है जो उस समय आने पर करना है।

24 केवल सोचे, यदि वे चाहें तो उनमें से पचास या उनमें से सौ को एक ही बार में गोली मार कर उडा सकते हैं। ये सब खत्म हो जाएगा, कुछ समय के भीतर... मैं सोचता हूं कि यह कुछ साठ या अस्सी मिनट, या ऐसा ही कुछ है, या मेरा मतलब सेकंड—सेकंड से है, वहाँ से यहाँ तक, सम्पूर्ण चीज को सर्वनाश होने में लगेगा। लुईसविले और हेनरीविले के बीच और लुइसविले और—और बार्डस्टाउन के बीच कुछ भी नहीं बचेगा, या वहां नीचे, सिवाये भूमि में एक गड्ढे के, जिस पर मिट्टी का एक ढेर पड़ा होगा। बस इतना ही बचा रह जाएगा, उन क्षेत्रों के अलावा ये बाहर चला जाएगा, और मीलों और मीलों और उससे आगे मीलों तक जलने लगेगा। और जब एक वहां गिर रहा होगा, तो दूसरा कहीं और गिर रहा होगा, उससे भिडने के लिए।

25 मैं बहुत खुश हूं कि हमारे पास एक शरण स्थान है। "प्रभु का नाम ऊँचा गढ़ है, धर्मी जन इसके अंदर जाते है और सुरक्षित है।" कोई फर्क

नहीं पड़ता कितने बम या कितने भी और कुछ... हम वहां सुरक्षित हैं। तो, संसार और पापी लोग, उनके पास यह आश्रय या यह सुरक्षा का स्थान नहीं है, यह एक हिलावट का समय है। मेरा विश्वास है, यदि मैं एक मसीही नहीं होता था, तो मैं पागल हो जाता, यह सोचकर कि किसी भी समय क्या हो सकता है। और छोटे बच्चों से भरे घर और हर एक चीज के साथ, मैं नहीं समझ पाता कि क्या करना है। लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि मैं अपने घर में खड़ा होकर और उन्हें एक ऐसे शरण स्थान का परिचय करा सकता हूं जिसे कोई बम कभी छू नहीं सकता, या ना ही कुछ भी और, प्रभु यीशु के सुरक्षा करने वाले पंखों के नीचे। "ना तो बल से, ना शक्ति से, लेकिन मेरी आत्मा के द्वारा," प्रभु यों कहता हैं। समझे? वही हमारा बचाव है।

26 और यह क्या ही एक महान, महिमामय समय है, यह जानने के लिए कि सारे पाप और संघर्ष और जीवन की परीक्षाएं जल्द ही समाप्त हो जाएंगी। इन सारे दिनों में से एक दिन ये समाप्त हो जाएगा, और हम प्रभु के साथ रहने के लिए घर चले जाएंगे। अब, जो कुछ भी समय बचा है, कि हम सुसमाचार का प्रचार करें, ताकि इस बड़े गढ़ के अंदर ले आये अधिक से अधिक, जितना हम कर सकते हैं।

27 और फिर, जैसा कि हम आज के हमारे विषय का नमूना देखते हैं, जो एलिय्याह के बारे में है, उसके शासनकाल के दौरान, वो... या, धरती पर उसकी यात्रा के दौरान, क्योंकि, वह एक महान, पराक्रमी मनुष्य था। परमेश्वर उसे बहुत ही महान तरीकों से उपयोग कर रहा था, बहुत ही महान सामर्थ के साथ। और हम देखते है कि इस समय के दौरान, वहां नकल करने वालों का एक झुण्ड था, जिन्होंने एलिय्याह की नक़ल करने की कोशिश की थी, जिन्होंने उन्हीं चीजों को करने की कोशिश की जो एलिय्याह ने की थी।

28 और हम आज उसी तरह से बात को पाते हैं; मसीहत की नक़ल करने वाले, वे लोग जो मसीही की तरह अभिनय करने की कोशिश करते हैं, वे जो खुद को मसीही बनाने की कोशिश करते हैं। आप ऐसा नहीं कर सकते। परमेश्वर को ही ऐसा करना है। केवल वही एक है जो यह कर सकता है।

29 सो उन्होंने एक विद्यालय बनाया, और उसका नाम रखा, "भविष्यवक्ताओं का विद्यालय।" और वे सारे भविष्यव्यक्ताओ के विद्यालय

में गए, और उन्होंने उन्हें शिक्षा दी। और मैं वहां उन सभी प्रचारकों की कल्पना कर सकता हूं, वे उसी प्रकार के वस्त्र को पहने हुए है जिसे एलिय्याह ने पहना था। मैं कल्पना कर सकता हूं कि वह उसकी आवाज़ की नक़ल करने की कोशिश कर रहे थे जिस तरह से वो बोला। और—और जिस तरह से उसने खुद को प्रदर्शित किया, हर एक जन उसी तरह करने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि एलिय्याह एक महान व्यक्ति था, जिसका परमेश्वर ने उपयोग किया।

30 और आज हम उसी चीज को पाते हैं। ज्यादा समय नहीं हुआ मैं एक रेडियो प्रसारण सुन रहा था। उन्हें इस पूरे देश भर में बिली ग्राहम मिल गया है, जब से बिली लुईसविले में था। हर एक जन उसी बात की नक़ल करने की कोशिश कर रहा है, लगभग उसी तरह से अपने बालों में कंघी करते है, और—और वैसे ही कपडे पहनते है और उसी तरह की आवाज निकालते है, और इत्यादि। लेकिन आप ऐसा नहीं कर सकते। आपको बस वही होना है जो आप हैं और परमेश्वर ने आपको जो होने के लिए बनाया है। यह सही बात है। और सो हम पाते हैं कि किस तरह से है, हो सकता है, उन दिनों में भी ऐसी ही बात हुई थी।

31 अब, परमेश्वर, यह देखते हुए, पहले से यह देखते हुए कि एलिय्याह के दिन गिने हुए थे, कि उसके पास इतना समय था वो धरती पर रह सके, जैसे कि सभी के गिने हुए है। इसलिए, वो एलिय्याह का उत्तराधिकारी होने वाला था। और जब वो बना, तो परमेश्वर ने इस मनुष्य को बुला लिया। जब उसने उसे बुलाया तो वह किसी धर्म विद्यालय में नहीं था। वह खेत में एक बैल के जुए के साथ हल को जोत रहा था, सेवा को कर रहा था, या अपने माता–पिता की देखभाल कर रहा था। और परमेश्वर ने उसे एलीशा, मेरा मतलब एलिय्याह का उत्तराधिकारी होने के लिए बुलाया।

32 शायद विद्यालय मैं जाने वाले कई लोगों ने सोचा था कि उन्हें यकीन है कि वे उसके उत्तराधिकारी होने जा रहे हैं, वे उसका वस्त्र पहनने जा रहे थे, और जैसे ही उसने काम को इसके साथ पूरा किया था।

33 लेकिन, परमेश्वर बुलाता हैं। परमेश्वर चुनाव को करता है। परमेश्वर चुनने के काम को करता है। परमेश्वर क्रम में स्थापित करता है। "परमेश्वर कलीसिया में: कुछ को, प्रेरित; कुछ को, भविष्यव्यक्ता; कुछ को शिक्षक; कुछ को, सुसमाचार सुनाने वाले; और पास्टर करके नियुक्त करता है।"

परमेश्वर स्वयं ऐसा करता हैं। हम एक बाल को काला या सफेद नहीं कर सकते, न ही हम विचार को लेते हुए अपने कद में एक चीज को भी जोड़ सकते हैं। परमेश्वर, उसके अनंत अनुग्रह में, और उसके चुनाव और उसके पूर्वज्ञान के द्वारा, इन चीजों को क्रम में स्थापित करता है, और हर एक पहिया बिल्कुल ठीक–ठीक काम करता है। मैं इसे पसंद करता हूं।

34 मैं आज सुबह एक निराश मनुष्य होता, यदि में चुनाव और परमेश्वर के बुलावे पर विश्वास नहीं करता। यदि मैं यह सोचुं कि इस संसार को मनुष्य की शक्ति पर और मनुष्य की बुद्धि पर, उसके परिणाम पर छोड़ दिया गया है, और "बड़े चार," पर और संयुक्त राष्ट्र पर, और जिन्होंने कभी परमेश्वर के नाम का उल्लेख भी नहीं किया, मैं एक निराश व्यक्ति होता। लेकिन मैं परिणाम के लिए इसकी ओर नहीं देखता हूं।

35 मैं *यहाँ* इस पुरानी किताब के पन्नों पर देखता हूँ, जहां परमेश्वर ने इसे लिखा है, और हर एक चीज बिल्कुल ठीक उसी तरह से ही बाहर आएगी जैसा उसने कहा था, और ऐसा ही है। इसलिए, मुझे केवल एक चीज को करना है कि उनके साथ एक पंक्ति में ना आऊं, लेकिन कलवरी के साथ एक पंक्ति में होना है। परमेश्वर के साथ एक पंक्ति में होना है, उसके वचन के साथ एक पंक्ति में होना है, उसके वचन में बने रहना है। कोई फर्क नहीं पड़ता है यह ऐसा दिखता है कि ये *उस* तरह से होने जा रहा है; यह वैसा ही होगा जैसा परमेश्वर चाहता है। यह कुछ भी और नहीं हो सकता। क्योंकि, वह अनंत होने के कारण, आदि से अंत को जानता था, और वह हर एक चीज को अपनी स्तुति में लाता है। यह सही बात है।

36 "सारी चीजों को एक साथ काम करना होगा।" हर एक चीज को ठीक अपने स्थान पर आकार लेना होगा। ओह! क्या यह एक मसीही में साहस को नहीं लाता है! कुछ भी गलत नहीं हो सकता। आख़िरकार, यह हमारी लड़ाई नहीं है; यह उसकी लड़ाई है। यह हमारी बुद्धिमता नहीं है; यह उसकी बुद्धिमता है। हमें केवल एक ही काम करना था, वह है कि हमें वहां हमारे विश्वास और भरोसे को रखना था, और शांत रहकर और परमेश्वर की महिमा को देखे, देखो कि यह किस तरह से अपने स्थान पर घूमता है, और हर एक पहिया घूमता है। यह यहाँ से वहां तक बिखरा हुआ हो सकता है, लेकिन जब परमेश्वर वचन बोलता है तो यह उसके सही स्थान पर चला जायेगा।

37 वह आदि से अंत को जानता था। वह जानता था कि वो चुनने जा रहा है। वह जानता था कि इससे पहले जगत का निर्माण हो, एलीशा एलिय्याह की जगह को लेगा। हर एक चीज को बस बिल्कुल सही काम को करना है।

38 और हम अपने प्रियजनों और इत्यादि के बारे में चिंतित हैं, "क्या वे कभी अंदर आएंगे? " उनके नाम, यदि वे मेम्ने की जीवन की किताब में, जगत की नींव डालने से पहले लिखे गए थे, वे ठीक वहां काम करेंगे। यही केवल वो चीज है जो वो कर सकता है। हम गवाही देते हैं और प्रकाश को चमकाते हैं। परमेश्वर ऐसा करता है, उस एक को उनके पास लाता है।

39 अब एलिय्याह पर ध्यान देना, जब उस ने अपना वस्त्र उस पर फेंका, और इसे उस पर परखा। दूसरे शब्दों में, एलिय्याह वो भविष्यव्यक्ता, जिसके कंधों पर परमेश्वर का वस्त्र था, उसने नीचे आकर उसे उस किसान एलीशा के पास यह देखने के लिए रख दिया कि क्या यह उस पर ठीक या फिट बैठता है। और इसे काटकूट करने में, उस वस्त्र में फिट होने में लगभग दस वर्ष लग गए।

40 आप जानते हैं, परमेश्वर आमतौर पर हमें दुकान में रखता हैं और हमें काटता–छांटता हैं। अब, उसने एलीशा पर फिट होने के लिए अपने वस्त्र को नहीं काटकूट नहीं किया; उसने एलीशा को वस्त्र में फिट होने का आदेश दिया। और यही है जो वो आज करता है। वह हमें वस्त्र में फिट करने के लिए काटकूट करता है, न कि हमें फिट करने के लिए वस्त्र को। कभी–कभी हम वस्त्र को हमें फिट होने के बनाना चाहते है, लेकिन हम ऐसा नहीं कर सकते। आपको अपने आप को उस वस्त्र के लिए काटकुट (होने) देना होगा। ये परमेश्वर का वस्त्र है, और उसने इसे सिद्ध बनाया है। और हमें करना है... उसे हमें उस क्षेत्र के अंदर लाना होगा, ताकि हमें वो वस्त्र फिट बैठ जाए।

41 इसलिए, हम अपने आप में सिद्ध नहीं हो सकते। हम जानते हैं कि हम नहीं हो सकते। हमारे लिए ऐसा होने का कोई जरिया नहीं है, और, फिर भी, उसने हमें होने के लिए कहा। इसलिए, लेकिन, जो उसने किया, उसने हमारे लिए एक प्रायश्चिता को किया; प्रभु यीशु मसीह और उसकी धार्मिकता। यही है जहाँ से सिद्धता आती है; अपनी खुद ही पवित्रता को अनदेखा करते हुए, जो हमारे पास नहीं है; और हमारे अपने विचार, जो

नहीं होने चाहिए। लेकिन हम पूरी तरह से प्रभु यीशु के समाप्त किये गये कार्य पर विश्राम करते हैं। परमेश्वर ने उसे धरती पर भेजा, और हम उसी में विश्राम करते हैं।

42 ध्यान दें, इन सारे वर्षों में, जहाँ तक हम जानते हैं, उसके ऊपर केवल एक ही वस्त्र का बपतिस्मा हुआ था। लेकिन उन वर्षों के दौरान, परमेश्वर ने मनुष्य के चरित्र को एक ऐसे स्थान पर ढाला था, जहां, उसके बुलाये जाने के बाद, कि वह वस्त्र के अंदर फिट बैठ जाए और प्रभु का सेवक बने।

43 और उसके बाद जब एलिय्याह वहां से होकर निकला और इसे उस पर फेंक दिया, और वे गिलगाल की ओर चल दिए, और वे बहुत से स्थानों पर गए, भविष्यव्यक्ताओ के विद्यालय पर से, जो उनके मार्ग पर था, आगे यात्रा कर रहे थे। और, अंत में, एलिय्याह कोशिश कर रहा था, एलीशा वापस चला जाए। क्या आपने इसे ध्यान दिया? कोशिश कर रहा था कि वो वापस चला जाए। कहा, "मैं... " अन्यथा, "हो सकता है कि सड़क तुम्हारे लिए थोड़ा अधिक अनुचित हो, पुत्र। हो सकता है कि ये तुम्हारे लिए चलने के लिए थोड़ा संकरा हो।"

44 आप जानते हो, जहाँ एलिय्याह था, ये सीधा–सीधा था। और जहाँ कहीं भी परमेश्वर का सच्चा सेवक सुसमाचार का प्रचार करता है, वह एक सीधा, शुद्ध सुसमाचार है जहाँ इसका प्रचार किया जाता है।

45 क्यों, एक दिन, वह भविष्यव्यक्ताओ के विद्यालय में उनसे भेंट करने गया, और उन्होंने उसे वहां से जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा, "यह हमारे लिए यहाँ बहुत ही सीधा–सीधा है।"

46 आज हमें जिस चीज की आवश्यकता है, वह है कुछ और सीधा–सीधा, सुसमाचार का प्रचार करना जो गेहूँ को भूसी से अलग कर देगा, या सही को गलत से अलग कर देगा। जो सही है उसे "सही," बनाता है और जो गलत है उसे "गलत।"

47 ये सारे लोग उनके अनुभव के साथ, और वो सारे जो वे थे! उन्हें बाहर भेजा कि कुछ तो खाने को ले आये, और उनमें से एक जंगली दाख ले आया, और कुछ जंगली लौकी को एकत्र किया। और कुछ मृत्यु को उनके कलीसिया संबंधी बर्तन में पकाया। और, पहली बात जो आप जानते हैं, वे चिल्ला उठे, "बर्तन में मृत्यु है!"

48 लेकिन एलिय्याह जो दुगने भाग के साथ था, जानता था कि क्या करना है, सो उस ने बर्तन में मुट्ठी भर आटा डाला। कहा, "अब आगे बढ़ो और इसे खाओ।" दूसरे शब्दों में, वे...

49 आज का एक नमूना है, मुझे लगता है, कि हमारे पास बहुत सारे मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, पेंटीकोस्टल, और हर एक जन और भी है, सारे एक साथ मिश्रित लोग है, और वो एक दूसरे के साथ लड़ रहा है। और हमें पूरी चीज को बाहर निकालने और इसे खत्म करने की आवश्यकता नहीं है। हमें एक और मुट्ठी भर आटा चाहिए। उसी कलीसिया को बनाये रखे।

50 वो आटा वहाँ के विद्यालय के घर का था, जो आटा–भेंट के रूप में वहां पर लोग लाए थे, और कटनी की पहिली उपज जो किसी विशेष चक्की से कूटा गया था, जिस से नाज का एक–एक दाना एक समान आटे को बनाता है। और फिर जब...

51 यह आटा, एक सा होने का कारण, ये एक मसीह नमूना था। आटा वो जीवन है। और जब मसीह का नमूना, वो आटा, एक समान पीसा हुआ है; जिसका अर्थ, "यीशु मसीह कल, आज और हमेशा एक सा है।" और आटा उस आटे के भेंट में, और जब उन्होंने उस आटे को वहां उसमें डाला, तो मसीह को मृत्यु में डालकर जीवन को लाया। यही है जो हमारे मृत रूप में भिन्नता को बनाता है, हमारे मतभेदों में, हमारे कलीसियाई वाद–विवाद में और हर चीज में। यदि हम इसमें केवल मसीह को इसमें लाएंगे, तो यह मृत्यु और अलगाव को जीवन के अंदर बदल देगा, यदि हम बस ऐसा करें।

52 अमेरिका में एक करोड़ नब्बे लाख बैपटिस्ट हैं। अमेरिका में एक करोड़ तीस लाख मेथोडिस्ट हैं। अमेरिका में एक करोड़ दस लाख लूथरन हैं। और अमेरिका में एक करोड़ प्रेस्बिटेरियन है। और केवल परमेश्वर ही जानता है कि कितने कैथोलिक, जो किसी भी संप्रदाय से बढ़कर हैं। लेकिन इस सब में हमें किसकी आवश्यकता है? मुट्ठी भर आटे की। हमें जीवन को कलीसिया में लाने की आवश्यकता है। और मसीह वो जीवन है। वो हमें जीवन देने आया।

53 तो, उनके पास अपने विवाद थे, और उनके विद्यालय, और उनके सिद्धां–... धर्म सिद्धांत, और इत्यादि थे।

54 तब एलिय्याह ने एलीशा से कहा, "बेहतर होगा कि तू वापस लौट जा, क्योंकि वो मार्ग थोड़ा कठिन हो सकता है।" लेकिन परमेश्वर का एक मनुष्य जो एक बार इसका सामना कर चुका था, या उसके कंधे पर परमेश्वर की धार्मिकता और सामर्थ का वस्त्र फेंका गया था, उसके लिए पीछे मुड़ना बहुत आसान नहीं है।

55 जब मैंने आज सुबह पास्टर को यह कहते सुना, कि हमारा... "बहुत से लोग निराश हो रहे हैं।" हमें क्या आवश्यकता है, भाई, हिम्मत बांधे! हमें जिस बात की आवश्यकता है कि उसे प्रोत्साहित करें, यह सही है। परीक्षायें आ सकती हैं। हमसे कभी भी उनसे मुक्त होने की प्रतिज्ञा नहीं की गयी थी, लेकिन वो उनमें से होकर जाने के लिए अनुग्रह देगा। यदि पहाड़ बहुत ही ऊँचा है कि पार नहीं जा सकते, इतना गहरा है कि नीचे नहीं जा सकते, और इतना चौड़ा है कि इसके चारों ओर नहीं जा सकते, वो इसमें से होकर जाने के लिए अनुग्रह देगा। यह सही बात है। बस चिंता न करें, लेकिन अपनी दृष्टि को मसीह पर रखें, क्योंकि केवल वही वो एक हैं जो हमें इसमें से होकर लेकर जा सकता हैं।

56 अब, हम उन्हें यात्रा में आगे जाते हुए देखते हैं, विद्यालय में आते हैं। और उसनें कहा, "अब तुम यहीं रुके रहो। यहीं रहो, और यहीं बस जाओ और धर्मशास्त्र और इत्यादि के अच्छे शिक्षक बनो। और तुम शायद, किसी दिन यहां हो सकता है महाविद्यालय के अध्यक्ष बन जाओ। लेकिन मुझे थोड़ा और आगे जाना है।"

57 क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि परमेश्वर का कोई मनुष्य किसी महाविद्यालय का अध्यक्ष बनकर संतुष्ट हो रहा है, जब परमेश्वर की सामर्थ ठीक उसके इर्द–गिर्द हो जहाँ पर वो खड़ा था? नहीं, श्रीमान। उसने कहा, "जैसे प्रभु जीवित है और तेरा प्राण जीवित है, मैं तुझे नहीं छोड़ूंगा।" मैं इसे पसंद करता हूं।

58 इसके साथ बने रहे, कोई फर्क नहीं पड़ता कितनी भी निराशा हो, यहाँ तक कि यह आपके माँ से, आपके पिता से, या आपके पास्टर से आती है। उसके साथ बने रहें।

59 वे यरदन की ओर गए। उन्होंने पार किया। और एलिय्याह ने कहा, "अब तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए करूं? "

60 उसने बोला, "मुझ पर आने के लिए आपकी आत्मा का एक दुगना भाग।" वो जानता था कि उसे एक काम को करना है। उसने कहा, "एक दुगना भाग।" ना ही बस एक अच्छा गर्मजोशी का अनुभव, न बस एक अच्छा हाथ मिलाना, या बाकी की कलीसिया के साथ एक अच्छी संगति। लेकिन, "मैं जो चाहता हूं वो है दुगना भाग जो अब सबसे अच्छा है।"

61 मैं आपको बताता हूं, जब परमेश्वर मनुष्य को संसार के कार्य के लिए निर्धारित करता है, तो उसके पास संसार से बेहतर कुछ होना चाहिए। उसके पास उससे बेहतर कुछ तो होना चाहिए जो कलीसिया के पास है। उसे दुगने भाग के लिए जाना है।

62 और यदि कभी ऐसा समय रहा था जब दुगने भाग की आवश्यकता है, तो वो आज है, लोगों के दायरे में; कुछ तो बेहतर, कुछ तो ऊंचा। मैं नहीं... मैं सोचता हूँ कि फलियां और मक्के की रोटी बहुत अच्छे हैं, लेकिन कभी–कभी मुझे थोड़ा ऊपर तक पहुंचना पड़ता है। और हम ऐसा करते हैं; हमें करना है। हमें ऊपर चढ़ते रहना है। इस्राएल पीछे हट रहा था यदि ये उसी जमीन पर बने रहता। उसे आगे बढ़ना होगा या तो पीछे हटना है। और इसी तरह से कलीसिया है।

63 इसलिए, जैसे–जैसे वे साथ–साथ आगे गए, ये ऐसा नहीं था लेकिन कुछ ही मिनटों में उसके कहने तक, "तूने एक बहुत बड़ी चीज मांगी है, लेकिन, फिर भी, यदि तुम मुझे जाते हुए देखते हो, तो तुमने जो मांगा है वह तुम्हारे पास हो सकता है।"

64 अब, यह केवल एक उद्देश्य की ओर, हृदय केवल एक की ओर, आंखें केवल एक की ओर होना है, प्रतिज्ञा पर नजर रखते हुए। हम्म! यदि आप आज सुबह बीमार हैं, यदि आप पीड़ित हैं, तो वहां एक बड़ी प्रतिज्ञा है; ना ही एलिय्याह के द्वारा, लेकिन स्वयं परमेश्वर के द्वारा। "यदि तुम विश्वास करो, जब तुम प्रार्थना करते हो, विश्वास करते हो कि जो तुम मांगते हो वो तुम्हें मिल जायेगा, और तुम इसे पा लोगे।" कोई फर्क नहीं पड़ता कि डॉक्टर क्या कहता है, *यह* कितना जाता है या *वो* कितना जाता है; केवल एक वचन की ओर रखे।

65 एलिय्याह उसे एक आदेश देता है, "यदि तुम मुझे जाते समय देखते हो, तो यह तुम पर आ जाएगा।"

66 एक प्रतिज्ञा है, "यदि तुम विश्वास करते हो, तो विश्वास करने वालों के लिए सारी बातें संभव है।"

67 कभी–कभी मैं खुद की ओर देखता हूं, और सोचता हूं, "मैं अपने जीवन में ऐसी बिना हड्डी की मछली रहा हूँ। मैंने प्रतीक्षा की है, और राज्य में हजारों प्राणों को चूक गया हूं, क्योंकि मैं रुका रहा और कहा, 'परमेश्वर... ' आत्मिक दानो पर बहुत अधिक निर्भर था। और कहा, 'प्रभु, यदि आप मुझे केवल दिखाये, यदि आप मुझे दर्शन को देंगे कि क्या करना है।'" और परमेश्वर एक दर्शन को देता है, तब मैं वापस मुड़ूगा और कोई तो मुझसे कुछ और बात करने दो।

68 और, ओह, मैं कभी उस स्थान पर अब तक नहीं आया, जब तक मैं... जैसा मैं इस समय पर, कि मैं महसूस करता हूं कि ये एक विश्वास है, कि हमें अवश्य ही वहां कदम को रखना चाहिए, क्योंकि यह एक प्रतिज्ञा है। और जो काम उस ने किए हैं, और जो चंगाईयां उस ने की हैं, और जो अद्भुत कार्य उस ने किए हैं; याहं तक कि, नीचे आकर और उसकी तस्वीर को हमारे बगल में ही लिया गया है, और इत्यादि, जिसे जगत के आरंभ के बाद से कभी नहीं जाना गया। और फिर बिना हड्डी की मछली की तरह पास खड़े होते है? यह मुझे यहाँ तक अपने आप में निराश होने को लगाता है। यह समय है कि प्रतिज्ञा पर दृष्टि को लगाये रखे।

69 और यही है, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, मेरा ऐसा करने का लक्ष्य है। और मैं समझता हूं कि नरक का हर एक शैतान उस पर निशाना लगाएगा। लेकिन, परमेश्वर के अनुग्रह से, मुझे प्रतिज्ञा पर दृष्टि को बनाये रखना है।

70 एलीशा ने कहा, "यदि तुम," मेरा मतलब, एलिय्याह ने कहा, "यदि तुम मुझे जाते हुए देखते हैं, तो तुम्हारे पास वह होगा जो तुम मांगते हो।" यह सही बात है। तुम्हें इस पर अपनी दृष्टि को बनाये रखना होगा; प्रतिज्ञा को देखो। जैसे, क्या हो यदि कोई विद्यालय, यदि वह पीछे मुड़कर, और कहे, "हे लड़कों, मैं अब कैसे कर रहा हूँ, भविष्यव्यक्ता के ठीक पीछे–पीछे चलते हुए? " हो सकता है, वह विफल हो जाता। लेकिन उसने इस बात की परवाह नहीं की कि विद्यालय क्या सोचता है, या सभी शिक्षक क्या सोचते हैं। उसने इस बात की परवाह नहीं की कि पड़ोसी क्या सोचते हैं, या घर, या जिसने उसे देखा है। उसने प्रतिज्ञा में उसके विश्वास को बनाए रखा।

71 आज हमें जिस चीज की आवश्यकता है, वो है परमेश्वर की प्रतिज्ञा में विश्वास, और उस पर ध्यान ना दे, *यह* एक क्या कहता हैं, या *वो* एक क्या कहता है।

72 जैसा कि एक भाई ने कहा, एक सेवक की दो लड़कियां थीं जो गूंगी थीं, और इसने दिव्य चंगाई पर आलोचना की थी, कि, "बच्चे चंगे नहीं हो सकते।"

73 आलोचना करने वालो पर ध्यान न दें। प्रतिज्ञा पर अपना विश्वास बनाए रखें। परमेश्वर ऐसा कहता है! "विश्वास की प्रार्थना रोगियों को बचाएगी, और परमेश्वर उन्हें उठा कर खड़ा करेगा।" यदि वो इस एक बहरे गूंगे को सुनने को लगा सकता है, तो वो दूसरे बहरे गूंगे को सुनने को लगा सकता है। हम अचूक प्रमाणों के द्वारा जानते हैं कि वो ऐसा करता है। प्रतिज्ञा पर हमारे विश्वास को बनाये रखे। हमारी आँखें एक पर ही है; हमारे कान एक पर ही है; हमारा ह्रदय एक पर ही है; और, एक चीज, यीशु मसीह पर, और वह इसे करने में सक्षम है जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है। ओह, जब हम इसके बारे में सोचते हैं, तो यह पूरे दृश्य को बदल देता है जब हम इसे प्राप्त करते हैं। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है। परमेश्वर ही वो एक था जिसने इसे कहा था।

74 अब, *यहाँ* परमेश्वर के प्रतिनिधि ने इसे कहा था, और अब स्वयं परमेश्वर ने यह कहा है। फिर हम क्या कर सकते हैं? कुछ भी नहीं केवल उस पर हमारे ध्यान को लगाये रखे। कहा, "यदि तुम मुझे जाते हुए देखो, तो तुम्हारे पास प्रतिज्ञा हो सकती है।" एलीशा ने एलिय्याह पर अपनी दृष्टि को बनाये रखा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि हर तरफ से क्या शोर होता है, हर तरफ क्या बात जगह लेती है, उसके पहले किस बात ने जगह ली, उसने यहाँ तक कभी देखा तक नहीं। उसकी दृष्टि प्रतिज्ञा पर टिकी रही। आप वहां हैं, आपकी दृष्टि प्रतिज्ञा पर है।

75 मैं उस महिला के विषय में सोचता हूँ जिससे हमने उस रात भेंट की थी, बहन सॉयर। और डॉक्टर ने उसे बताया कि उसकी हालत कितनी खराब थी। और मैंने उसे कभी नहीं बताया; प्रियजन को बताया। और उसके लिए कभी भी ठीक होना कितना असंभव होगा। अब, भाई, उसके दामाद ने मुझसे इसके बारे में पूछा। मैंने कहा, "यदि वो प्रतिज्ञा पर दृष्टि

को बनाये रख सकती है।" कोई फर्क नहीं पड़ता कुछ भी हो जाए, प्रतिज्ञा पर अपनी दृष्टि को बनाये रखें।

76 कुछ हफ्तों पहले, बहन वुड यहाँ पर थी, और भाई वुड, यहाँ कलीसिया में हमारे दो घनिष्ठ मित्र थे। मैं मिशिगन में अपने मित्रो के साथ था, लियो और जीन। हम शिकागो की सभाओ को निकलकर और उनके कुछ लोगों के साथ गए थे, कि... दो दिनों के लिए, धनुष बाण के साथ हिरण के शिकार को करने के लिए गये। और वापस अपने रास्ते की ओर आते हुए, मेरी पत्नी ने मुझे याद दिलाया था, और उसने कहा, "श्रीमती वुड की मां के लिए प्रार्थना करें। एक कैंसर उसके चेहरे को खा रहा है।" और कहा, "मैंने बहन वुड को इतना भयभीत कभी नहीं देखा। वो रो रही है।" बहन वुड हमेशा से एक विश्वास की नायिका रही हैं, क्योंकि परमेश्वर ने उसके लड़के को एक अपंग पैर से चंगा किया, और बहन को टीबी और आदि से चंगा किया था। लेकिन वो टूट चुकी थी।

77 वहाँ कमरे में, उस रात हमने प्रार्थना की। अंदर आकर श्रीमती वुड ने कहा, "भाई ब्रंहम, हम वहां पर जायेंगे।" और हम उसकी माँ के पास गए, जो लुईसविले में थी। और उसकी नाक के पास कैंसर था, और डॉक्टर ने उसके साथ छेड़छाड़ करके, उसे फैला दिया था; उस समय तक उसकी नाक के पास ही बस एक छोटा सा गोल दाना था, और अब उसकी आंख से लगभग आठ इंच की दुरी पर, वहां पर बस हड्डी दिख रही थी। इसे उतनी ही तेजी से खा लिया था जितना ये खा सकता था।

78 कमरे में जाकर, और मैं नीचे घुटने में आ गया। मैंने कहा, "मैं उससे अकेले में बात करना चाहता हूं।" और मैं उस महिला के साथ प्रार्थना करने के लिए कमरे में गया। और जब मैं कमरे में था, मैंने सोचा, "हे परमेश्वर, यदि आप मुझे केवल एक दर्शन दिखाये कि महिला के साथ क्या होने जा रहा है।" श्रीमान और श्रीमती वुड बाहर बैठे हुए थे, यह देखने के लिए रुके हुए थे कि दर्शन क्या बताएगा।

79 लेकिन जब मैं वहां था, मुझे दोषी ठहराया गया। एक दर्शन की प्रतीक्षा करने से मुझे दोषी ठहराया गया। ऐसा दिखाई दिया कि जैसे कुछ तो वापस संदर्भ में कहा गया, "तुम्हे बताया नहीं गया था। जब कि प्रतिज्ञा को पहले ही कहा जा चुका है, तो तुम्हें एक दर्शन की क्या जरूरत है? " इसलिए

मैंने घुटने टेककर और प्रार्थना की। और प्रार्थना करते समय, कुछ तो तब भीतर लंगर हुआ था, प्रतिज्ञा का विश्वास।

80 वापस बाहर आया। और श्रीमती वुड, जब मैंने उसे इसके बारे में बताया, तो उसने कहा, "क्या आपने कुछ देखा, भाई ब्रंहम? "

81 मैंने कहा, "मैंने कुछ भी ठीक से नहीं देखा, लेकिन मैंने कुछ तो महसूस किया जिसने मुझे बताया कि उसकी प्रतिज्ञा सच है और वह इसे करने जा रहा है। और मैं विश्वास करता हूं कि वो इसे करने जा रहा है।"

82 और चौबीस घंटे के अंदर, उस कैंसर का अंत आरंभ होने लगा और उसके ऊपर एक पपड़ी बनने लगती है। कैंसर पपड़ी नहीं बनाता, जैसा कि आप जानते हैं, जब तक कैंसर खतम नहीं हो जाता है। सो वहाँ अब ऐसा था। और स्त्री चंगी हो गई, और घर आ गई। क्या ही अद्भुत मसीह है! हमारी आँखों को प्रतिज्ञा पर बनाए रखते हुए! परमेश्वर यों कहता है!

83 लेकिन जब हम कभी–कभी प्रार्थना करते है, हम चले जाते हैं और कहते हैं, "ठीक है, इसे तुरंत नहीं किया गया था, तो हो सकता है अच्छा होगा हम फिर से वापस जाएं।" ओह, नहीं।

84 प्रतिज्ञा पर दृष्टि बनाये रखें। परमेश्वर ने ऐसा कहा, इससे बात ख़त्म हो जाती है। बस ये ऐसा ही है। यदि परमेश्वर ने ऐसा कहा, तो परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करने में सक्षम है, या तो वो इसे कभी पूरा नहीं करेगा।

85 अब्राहम ने उन चीज़ों को ऐसा बताया, जो नहीं थीं, मानो वे थीं। और, पच्चीस वर्षों तक, असंभव पर खड़ा रहा, क्योंकि उसने इसे ऐसा गिना कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करने में सक्षम है। आमीन। और हम विश्वास के द्वारा अब्राहम की सन्तान हैं।

86 निश्चय ही, एलिय्याह ने अपनी दृष्टि को बनाये रखा... या एलिय्याह पर एलीशा ने, और जैसे–जैसे वे आगे बढ़ते गए। और कुछ देर के बाद रथ आया और उन्हें अलग कर दिया, और एक को एक ओर एक को दूसरी ओर, और उसके बाद इसने एलिय्याह को ऊपर उठा लिया। उस पर... वो रथ पर चढ़ गया, और ऊपर चला गया, और उसने अपने वस्त्र को कन्धों पर से उतार कर और इसे पीछे एलीशा की ओर फेंक दिया। क्योंकि, एलीशा उसके लिए विकसित हो गया था, आप जानते हैं, इसलिए यह उसके लिए फिट बैठ गया। और क्या आप कल्पना कर सकते हैं...

87 ओह, मैं चाहता हूं कि आप मेरी ओर अपना पूरा ध्यान दें, क्योंकि मैं अपने गले में जलन को महसूस कर रहा हूं। मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं।

88 क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एलीशा ने कैसा महसूस किया होगा जब उसने इस वस्त्र को उठाया होगा, उसने इसे अपने खुद कंधे पर रखा होगा? ओह, क्या ही अनुभूति है!

89 मेरा यह अर्थ व्यक्तिगत से नहीं है, लेकिन लगभग दस वर्ष पहले, यहां पुलपीट पर से, मैंने एक उपदेश पर प्रचार किया था; दाऊद, जो हाथ में गोफन लिए हुए योद्धा था, और उसके सामने गोलियात था। उन दिनों कार्यक्षेत्र में कोई चंगाई अभियान नहीं थे, कहीं भी नहीं, जैसा कि हम जानते है। और, ओह, दिव्य चंगाई पर लोग कितने आलोचनात्मक थे! लेकिन एक व्यक्ति से भेंट करने के बाद वहां कुछ तो था। और पास्टर लोगों ने मुझे बताया कि मैं अपने दिमाग को खो रहा हूं, कि ऐसा नहीं हो सकता। लेकिन, यहाँ इसी जगह से, मैंने दाऊद पर बात की। कहा, "क्या आप मुझे यह बताना चाहते हैं कि यह, जीवित परमेश्वर की सेनाएं, क्या यह खतनारहित पलिश्ती इस सेना का सामना करने देगा? "

90 एक छोटे से उम्र का कंधे झुका हुआ, घुंघराले बालों वाला लड़का जिसने भेड़ की खाल का कोट पहने हुए था, और उसके हाथ में एक गोफन था; इस्राएल की एक पूरी सेना के साथ खड़ा हुआ, पीछे हटी हुई। और वह, अकेला, बाहर निकल पडा। उस एक मनुष्य के साथ, जो एक—एक भाले के साथ था जो कुछ उन्नीस फुट लम्बा था, और उसके सिरे का वजन काफी शेकेल का था, हो सकता है कि यह बीस पाउंड स्टील का हो, नुकीला, उन्नीस फुट का भाला, उसकी उंगलियां चौदह इंच लंबी हों।

और दाऊद का वजन शायद नब्बे पौंड का था, और वो खड़ा हुआ, ऊपर और नीचे उछल रहा था, छोटे से मुर्गे की तरह, और कह रहा है, "तुम्हारा मुझे कहने का मतलब ये है," ओह, प्रभु, "कि तूम उस खतनारहित पलिश्ती को जाने दोगे! यदि वह उसके स्थान पर बना रहता है, तो वो बना रहे, लेकिन वह जीवते परमेश्वर की सेना को ललकार रहा है।" ओह, प्रभु, क्या ही नायक है! "और तुम सब उससे लड़ने को जाने से डरते हो? " कहा, "मुझे उसके सामने जाने दो।" ओह, प्रभु! उसने कहा, "स्वर्ग का परमेश्वर जिसने मुझे एक शेर को गोफन से मारने दिया, उसने

मुझे एक भालू को गोफन से मारने दिया, और वो कितना और अधिक करेगा उस खतनारहित पलिश्ती को मेरे हाथ में कर देगा!" निश्चित रूप से।

91 और जब पहली जीत हुई थी, और गोलियत गिरा दिया गया, तब इस्राएल की सारी सेना दाऊद के पीछे–पीछे चलने लगी। और उन्होंने सिर काट दिया और परास्त किया, इस्राएल... मतलब पलिश्तियों को उनके ही देश के अंदर परास्त कर के भगाया। उन्होंने हर एक कोनों में उनको घेर लिया, और उनका घात किया, और उनके नगर पर अधिकार किया और हर एक चीज को ले लिया, और विजय को प्राप्त किया।

92 भाईयों और बहनों, अलौकिक क्षेत्रो में भी ऐसे ही काम को किया गया है, जब उन्होंने कहा, "दिव्य चंगाई काम नहीं कर सकती। अद्भुत कार्यो के दिन बीत चुके हैं।" यदि अद्भुत कार्यो के दिन बीत चुके हैं, तो परमेश्वर के दिन बीत चुके हैं। जो कलीसिया अलौकिक में विश्वास नहीं करती वह अंतः मर जाएगी, और परमेश्वर उस कलीसिया को छोड़ देगा। छोडना ही है! और परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दी, और परमेश्वर की प्रतिज्ञाएं अनन्त हैं।

93 यहां कुछ समय पहले जब कुछ लड़कियां रेडियम धातु के साथ खिलवाड़ कर रही थीं, और इसे डुबा देती, और रेडियम को हाथों की घड़ियों पर रंग देती। मेरे पास इस पर कुछ है। और एक लड़की ने गलती को किया और ब्रश को लेकर अपने मुंह में चिपका दिया। इसने उसे मार डाला। और वर्षों और वर्षों के बाद, उन्होंने एक सूक्ष्मदर्शी दूरबीन को लिया और उस लड़की की खोपड़ी पर रखा, और वे अभी भी उस रेडियम की आवाज़ को सुन सकते थे, "बुरर–बुरर–बुरर।" यह अंतहीन है। यह काम करता रहता है, करता रहता है और करता रहता है। उस पर कोई रोक नहीं है।

94 और, ओह, भाई, यदि रेडियम का प्रभाव हम पर उस तरह से होता है, तो वो अंतहीन, अनंत, अलौकिक, सर्वशक्तिमान, सर्व–अनंत, सर्वशक्तिमान परमेश्वर कितना और अधिक होगा! उसका वही प्रभाव होना चाहिए जब उसने आरंभ किया था। उसे इसे पूरी तरह से इसमें से करना है, या तो वह सर्वशक्तिमान, सर्वशक्तिमान परमेश्वर नहीं है। वह अभी भी किसी ऐसे व्यक्ति के लिए रुका हुआ है जिसके पास एक दृढ़ विश्वास है, जो बाहर निकलकर और शत्रु को उसके वचन के आधार पर चुनौती देगा और कहेगा कि ये ऐसा है।

95 और अब क्या हुआ, जैसे ही महान चंगाई का अभियान आरंभ हुआ? फिर हजारों सैनिक, परमेश्वर के लोग, जो ओरल रॉबर्ट्स, टॉमी हिक्स जैसे छोटे कलीसियाओ में वहां पड़े हुए थे, और बहुत से दूसरे कार्य क्षेत्र पर उत्कृष्ट पुरुषों ने अपनी तलवार को बाहर खींचा और वे निकल पड़े। *यह* तलवार जो आगे और पीछे, ऊपर और नीचे, और अंदर और बाहर हर कहीं काटती है, "एक विचारों को परखनेवाली है, यहाँ तक हड्डी–हड्डी को भी।" जब उन्होंने देखा कि यह किया जा सकता है, तो उन्होंने अपनी बाईबल, अपनी तलवार को बाहर खींचा और बाहर निकल पड़े। और हमने शत्रु को, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, परास्त किया है इतना तक की, सारे संसार में एक चंगाई की बेदारी हो गयी थी। इसे किया जा सकता है। छोटे–छोटे पास्टर जिनके पास दो–दर–चार कलीसियायें और इत्यादि थी, वहां आग लग गई और उन्होंने दर्शन देखा, तलवार को हिलाया, और आगे निकल पड़े और शत्रु को ललकारा।

96 आप कैसे जानते हैं कि वहाँ है? वहां महान पुरुष हैं, कांग्रेसी उपशा, इंग्लैंड के किंग जॉर्ज, और बहुत से महान पुरुष जो बीमार और पीड़ित पड़े हुए थे, सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा चंगे हुए थे। इसलिए वे अभी इस बारे में कुछ नहीं कह सकते हैं। इसे किया जा चुका है। निश्चित रूप से! वो...

97 तब एलिय्याह चला गया। बाद में... उसकी पूरी ह्रदय की इच्छा थी कि उस प्रतिज्ञा को पाऊं। वो प्रतिज्ञा को चाहता था। यह उसका उद्देश्य था। उसका सब यही था। यह उसका जीवन था। यही सब कुछ उसका इरादा था। सब कुछ, हर एक चीज, उस प्रतिज्ञा को पाने पर टिकी रही।

98 मुझे दृढ़ विश्वास है कि भरोसा करने के लिए कि हम इस बात के विषय में ईमानदार नहीं हैं जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं। यदि आज सुबह आपका पूरा उद्देश्य इस पर विश्राम करता है, "मेरी चंगाई के लिए परमेश्वर को स्तुति देना। मैं परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा चंगा होने के लिए दृढ़ निश्चित हूं। मैं एक मसीही जीवन जीने के लिए दृढ़ निश्चित हूं। मैंने परमेश्वर के साथ शांति में चलने के लिए दृढ़ निश्चित किया है। मैं इसे करने के लिए दृढ़ निश्चित हूं। मैं परवाह नहीं करता कि मां क्या कहती है, कलीसिया क्या कहती है, पास्टर क्या कहता है, कोई और क्या कहता है, दुनिया क्या

कहती है। मैं दृढ़ निश्चित हूं। यही है मेरा हृदय एक ही बात पर स्थिर है।" आप तब कहीं तो पहुँचने जा रहे हैं।

99 फिर, जब एलीशा ने देखा, कि उसे पाने के लिए दृढ़ निश्चित कर लिया है, एलिय्याह ने देखा कि *एलीशा* दृढ़ निश्चित था, उसने उसे प्रतिज्ञा दी। अब, प्रतिज्ञा ये थी, "यदि तुम मुझे जाते समय मुझे देख सकते हो! यदि तुम मुझे देख सकते हो जब मैं छोड़ कर जा रहा हूं!" अब यह एलीशा पर छोड़ दिया गया है। वह प्रतिज्ञा को सुनना चाहता था, इसलिए उसे प्रतिज्ञा मिली थी। अब वहां इसमें एक "यदि" है। "यदि तुम मुझे जाते हुए देख सकते हो!"

100 अब, यदि आप आज सुबह बीमार हैं, और आप चंगा होना चाहते हैं, तो मैं आपको साबित कर सकता हूं कि मसीह ने आपको प्रतिज्ञा दी है। प्रतिज्ञा है आपकी, "यदि तुम विश्वास कर सकते हो! यदि तुम विश्वास कर सकते हो!" परास्त नहीं होना।

101 अब एलीशा भविष्यद्वक्ता एलिय्याह के वस्त्र में लिपटा हुआ था। क्या ही विजयी यात्रा है! किस तरह से वो चला, एक विजेता के नाई स्वर्ग की ओर कदम को रख रहा था! उसने प्रतिज्ञा को सुना था। उसने सामर्थ को महसूस किया। वह एक योद्धा की तरह चल रहा था, ठीक आगे यरदन की ओर।

102 परमेश्वर की स्तुति हो, मित्रो! हर एक विश्वासी, आज सुबह, जो मसीह की धार्मिकता के वस्त्र पहिने हैं, यरदन के रास्ते की ओर चल रहा है। यह सही बात है।

103 परमाणु बमो को आने दो; किसी भी तरह उसे आने दो। हमने वस्त्र पहना हैं और चल रहे हैं, जयवंत। आमीन। मैं... "डरो मत। मैने संसार पर जय को पा लिया है।" जी हां, श्रीमान! याद है क्या? "मैने संसार पर जय पा लिया है।" मसीह ने ऐसा कहा।

104 एलिय्याह एक उपयोग किये हुए वस्त्र पहने हुए चल रहा था, यहाँ तक जयवंत के जैसे, यरदन के पास आ रहा था।

105 भाई, मुझे आपके संबंध में इसे कहने दे। आप किसी और के वस्त्र को मत पहनना, जिसे सारे कीड़ों ने संदेह के साथ खा लिया हो, जहां इन सारे पराजय और अंधविश्वासों और उतार–चढ़ावों ने इसमें छेद कर दिया हो, और वे हर कही छेद में से होकर बाहर आ रहे हो। आप जयवंत, मसीह

के वस्त्र को पहन ले। अपनी कलीसिया पर भरोसा मत करना जिसने कभी पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा उद्धार की शिक्षा दी थी, जिन्होंने कभी दिव्य चंगाई की शिक्षा दी थी और अब इसे अस्वीकार करते हैं, सारे संदेह के कीडे और बाकी की हर एक चीज खा जाते हैं। उसके वस्त्र को पहन लो, जिसने कभी भी युद्ध को नहीं हारा, क्योंकि आप यरदन जाने के मार्ग पर हो। आमीन।

106 अब, उसने एक उपयोग किये हुए वस्त्र जो पहना था, यही सच है। और बहुत से लोगों ने आज सुबह उपयोग किये हुए वस्त्र को पहन रखा हैं। लेकिन जब वह यरदन के पास आया, तो उसने जान लिया कि केवल वस्त्र से काम नहीं चलेगा। यह सही बात है। और कलीसिया, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पेंटेकोस्टल, प्रेस्बिटेरियन, "ओह, हमारे पास विद्यालय हैं! जो... प्रभु, हमारे पास बाईबल के सारे उपयुक्त नीतिशास्त्र हैं। हमारे पास सभी बुने हुए वस्त्र ठीक हैं, वे प्रतिज्ञायें। हमारे पास यह सब है। ओह, हमने वहां जाकर बपतिस्मा लिया हैं। और हम वही प्रेरित हैं। हमारे पास प्रेरितो का विश्वास है। हम दिव्य चंगाई में विश्वास करते हैं। हम परमेश्वर में विश्वास करते हैं। हम परमेश्वर की सामर्थो में विश्वास करते हैं। हमने बाईबल में, जिस प्रकार बाईबल कहती है, बपतिस्मा लिया है। हमने पवित्र आत्मा को पाया है। हमने अन्य जुबान में बोला है। हम यह सब करते हैं।" लेकिन, भाई, यदि आपको केवल इसी चीज की आवश्यकता है, तो आप अपनी कमी को भी पा लेंगे, जब आप यरदन के पास आयेंगे।

107 ओह, आपको हो सकता है सिखाया गया हो। आप हो सकता है होशियार हो। आपके पास डी.डी., धर्मज्ञान के विद्वान की उपाधि हो सकती है। आपके पास पीएच.डी, एक तर्क शास्त्र विद्या के विद्वान की उपाधि हो सकती है। आपके पास एलएल.डी., लैटिन के विद्वान की उपाधि हो सकती है। आपके पास हर तरह की उपाधियां हो सकती हैं। आप पर मेथोडिस्ट कलीसिया का वस्त्र हो सकता है। आप पर पेंटीकोस्टल कलीसिया का वस्त्र हो सकता है। हो सकता है कि आप पर असेंबलियों का, या वननेस, या ट्रिनिटेरियन वस्त्र हो, या जो कुछ भी ये है। आरम्भ से ही यह केवल एक उपयोग किया हुआ वस्त्र है, यह सही है, या किसी मनुष्य के बनाये मत सिद्धांत का, विचार किया गया, और इसी तरह से आदि–आदि का; और यहाँ तक यदि आप एक मसीही रहे हों, और कलीसिया मसीही रही हो, और सही ढंग से वस्त्र पहने हों।

108 लेकिन जब एलीशा, खड़ा हुआ सब की दृष्टि उस पर थी, नबियों और आलोचकों से भरे एक पूरे नदी के किनारे, यह देखते हुए कि वो क्या करेगा, और यहाँ वह एलिय्याह का वस्त्र पहने हुए चलकर आता है, ओह, प्रभु, हाल्लेलुय्या, वह अन्यथा स्कूल में पढ़ा है, वो शिक्षित है, उसने समर्पित किया, वो विश्वास करता है, उसमें कुछ भी गलत नहीं है, वह यरदन की ओर आ रहा है, दुनिया की दृष्टि उस पर है।

109 हे परमेश्वर, किस तरह से आज हमें इसकी आवश्यकता है! बहुत से स्कूल में सीखे हुए और शिक्षित विद्वानों के साथ; बहुत से लोगों के साथ जो उस बाईबल को टूकडे करके अलग–अलग कर सकते हैं और इसे गणित में एक साथ जोड़ सकते हैं; बहुत से लोग जो उनकी शिक्षा के तरीको से बडी–बडी चीजों को कर सकते हैं; जो उस बाईबल के इतिहास के वास्तविक समय को जानता है, जो आपको बता सकता है कि दीवट को किस समय पर जलाया गया था, और किस समय बुझ गई थी। वे आपको इन सारी बातों को बता सकते हैं। और वे... उन्होंने पानी का बपतिस्मा लिया है। उन्होंने आत्मिक बपतिस्मा लिया है, जैसा कि वे इसे वस्त्र कहकर बुलाते हैं। उन्होंने हर एक चीज को बस क्रम में रखा है।

110 एलिय्याह ने भी ऐसा ही किया। लेकिन जब वह यरदन नदी के पास आया, तो उसे आलोचना से भरे संसार का सामना करना था, तो उसने क्या चिल्लाया? "एलिय्याह का परमेश्वर कहाँ है? " यह एलिय्याह का वस्त्र नहीं था जिसने ऐसा किया। यह तो एलिय्याह के परमेश्वर की सामर्थ थी, जिसने ऐसा किया।

111 और आज सुबह दुनिया को जिस चीज की आवश्यकता है वह है एलिय्याह के परमेश्वर की सामर्थ। हो सकता है कि आपने अन्य जुबान में बोला हो और चिल्लाया हो, और फर्श पर दौड़े हों। लेकिन हमें आवश्यकता है पेंटीकोस्ट के परमेश्वर के सामर्थ की, ताकि उस दिन के जीवन और चीजों को उत्पन्न करें, प्रेरितो की सामर्थ में।

112 एक उपयोग किया हुआ वस्त्र अच्छी बात थी, लेकिन उसे अपने हृदय में परमेश्वर से एक ताजी पुकार की आवश्यकता थी। उसे परमेश्वर से ताजे अभिषेक की आवश्यकता थी। जब वह नदी की ओर आया तो वो उपयोग किये हुए वस्त्र को पहने हुए था, लेकिन उसे अद्भुत कार्यो को करने के लिए

परमेश्वर से एक बिल्कुल नई या प्रत्यक्ष रूप से पुकार की और परमेश्वर से प्रत्यक्ष रूप से सामर्थ की आवश्यकता थी।

113 और, मेरे भाई, आप परमेश्वर से कुछ भी मांगने से ना डरे। आपको अवश्य ही परमेश्वर से याचना करना है, या परमेश्वर से मांगना है, किसी भी चीज के लिए जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है। क्योंकि, यदि मैं एक ऐसे परमेश्वर का परिचय दे रहा हूं जो सर्वशक्तिमान और सर्वसामर्थी है, और यदि मैं परमेश्वर का एक सेवक हूं, तो अवश्य ही परमेश्वर के कामों को करूंगा। और यदि मैं परमेश्वर के काम को करता हूं, तो इन बातों को पूरा करने के लिए मुझे अवश्य ही परमेश्वर से मांग करना चाहिए, क्योंकि वो मुझसे असंभव को उत्पन्न करने की मांग कर रहा है। मुझे उससे पूछना है। मुझे उसे पुकारना है, और वहाँ खड़े होकर कहना है, "परमेश्वर, आपने इसकी प्रतिज्ञा की है।" वैसे ही आपको करना है, हर एक व्यक्ति को।

114 "तुम सामर्थ को पाओगे," प्रेरितों के काम 1:8, "पवित्र आत्मा के तुम पर आने के बाद।" पवित्र आत्मा के तुम पर आने के बाद! एक मसीही के नाई वस्त्र पहनने के बाद, आपका विश्वास मसीह में स्थापित होने के बाद, उसके बाद तुम सामर्थ को पाओगे। आप वहां पर है। जी हाँ।

115 और, भाइयों, बहनों, आप में से हर एक जन, आज सुबह, बीमारों के लिए प्रार्थना करने से पहले मैं यह बोल सकता हूं, होने पाए मैं इसे कहूं: परमेश्वर की सहायता से, आप मेरे लिए प्रार्थना करें। दस वर्ष पहले जब मैं दाऊद और गोलियत पर प्रचार करते हुए इस मंच पर खड़ा हुआ था, अब ये एक गोलियत नहीं है जिसने मुझे रुकावट डाली है, परमेश्वर ने उसे मेरे सामने मार डाला, लेकिन जिस चीज ने मुझे रुकावट डाली है, वह है विश्वास की कमी, किसी चीज की कमी जिसे मैं जानता था जो आसपास ही है।

116 और आज सुबह, फिर से इस छोटे से टेबरनेकल के सामने, मैं चिल्लाता हूँ: वो परमेश्वर कहाँ है जिसने इस प्रतिज्ञा को दिया था? वह परमेश्वर कहां है जिसने उस ओर मुझसे इसके साथ भेंट की? आगे आये, परमेश्वर, और मुझे हिम्मत दीजिये। मुझे शक्ति दीजिये। मुझे एक दृढ़ मन दीजिये, भले ही चाहे कुछ भी आए या जाए। चाहे ये अंधेरा दिखाई देता हो, या चाहे यह ऐसा दिखता हो... जो कुछ भी दिखता हो, आगे बढता जाऊं। प्रतिज्ञा सत्य है।

117 और भाइयों, बहनों, इन दिनों में से एक दिन... यहाँ आज सुबह आप पापी मित्रों के लिए, और आप लोगों के लिए जो मसीहत का अभिनय करने की कोशिश करते हैं, आप कलीसिया से संबंधित हो सकते हैं, यह अच्छी बात है, मुझे इसके विरोध में कुछ भी नहीं कहना है, आपकी अच्छी विद्वतापूर्ण शिक्षा के विरुद्ध, या आपके धर्म शास्त्र शिक्षा के विरुद्ध कुछ भी नहीं कहना है, मेरे पास इसके विरोध में कुछ भी नहीं है, लेकिन, ओह, परमेश्वर कहां है?

118 आखिरकार यह एलिय्याह नहीं था। ये एलिय्याह नहीं था जिसने उस नदी को खोला था। ये उसका वस्त्र नहीं था। एलीशा ने उसे अपने कंधे पर से लिया। उसने उसे उसी तरह से लपेटा जैसे एलिय्याह ने किया था। लेकिन जब उसने उसे हिलाने की कोशिश की, तो वहां कोई सामर्थ नहीं थी। तब वह पुकार उठा, जानते हुए कि परमेश्वर कहीं तो है, "वो परमेश्वर कहाँ है? कहाँ है वो? " तब भविष्यद्वक्ता को अवश्य ही कुछ तो प्रेरणा मिली होगी, क्योंकि उस ने उस वस्त्र को हिलाया, और जल पर मारा, और वो इस तरफ से उस तरफ खुल गई। और उस दिन के याजक गणों के सामने, उस दिन के निंदा करने वालो के सामने, वह यरदन के पार चलकर गया, ठीक जैसे एलिय्याह ने उसके सामने किया।

119 हमें शिक्षाओं की आवश्यकता नहीं है; हमारे पास यह है। लेकिन हमें एलिय्याह के परमेश्वर की आवश्यकता है। हमें वापस हमारी कलीसिया में एलिय्याह के परमेश्वर की सामर्थ की आवश्यकता है। इसे वहाँ थामे रखने की सामर्थ, और परमेश्वर के वचन को, "सही," कहना, ध्यान दिए बिना।

120 और हम, यहाँ हर कोई, आज सुबह, मनुष्य जाति की नाई, हम हमारे यरदन के मार्ग पर है। "और जब वो यरदन के पास आया।" इनमें से किसी एक सुबह या इनमें से किसी एक रात को आप वहां पर पहुंचेंगे।

121 जब वह यरदन के पास पहुंचा, तो वह जयवंत की नाईं चल रहा था। लेकिन, जब वह यरदन पर आया, तो यह फर्क था। उसने एक उपयोग किया हुआ वस्त्र पहन रखा था। जिसे किसी और मनुष्य ने पहना था। लेकिन वह एक अच्छा वस्त्र था, और वह जानता था कि वह मनुष्य क्या था जिसने वस्त्र को पहना था।

122 भाइयों, बहनो, इन सुबहों में से एक सुबह, मुझे वहां यरदन के पास आना है।

123 सोच रहा था। आज दोपहर, हम भाई और बहन राइट के पास जा रहे हैं। उन्हें मत भूलना। यह उनकी पच्चासवी विवाह की वर्षगाँठ है। मैं सोचता हूं, कलीसिया, उनके साथ एक—एक रात्रि का भोजन करेंगे। उस दिन मैं सोच रहा था: पचास वर्ष! और मैं उन दोनों को देखता हूं, अच्छी उम्र हो गयी है और पीड़ा से ग्रस्त। मैंने सोचा, "हाँ, मैं सैंतालीस वर्ष का हूँ।" मेरे जन्म लेने से तीन वर्ष पहले ही उनका विवाह हुआ था।

124 सैंतालीस! मैं यरदन की ओर बढ़ रहा हूं। मुझे वहां पर आना है। मुझे वहां पर पहुंचना है। मैं वहाँ पहुँचने वाला हूँ। यह हो सकता है सड़क पर दुर्घटना में हो। हो सकता हूं मैं हवा से नीचे गिरुं, एक विमान में से। मुझे हो सकता है कहीं गोली मार दी जाए, कहीं तो शैतान की गोली से, और मर जाऊं। मैं नहीं जानता कि मैं कैसे जा रहा हूँ। लेकिन, एक बात को मैं जानता हूं, मैं जा रहा हूँ, और मैं यरदन की ओर चलकर जा रहा हूँ।

125 लेकिन जब मैं वहां पहुंचुंगा, तो मैं एक बात को जानना चाहता हूं, कि मैंने एक उपयोग किया हुआ वस्त्र भी पहन रखा है। मैं अपने वस्त्र पर भरोसा नहीं करता हूँ, क्योंकि इसमें कोई अच्छाई नहीं है। क्योंकि एलिय्याह ने जैसे ही एलीशा के वस्त्र को उठा लिया, उसने उसके वस्त्र को टुकड़े टुकड़े करके और नीचे फेंक दिया। और ये इसी तरह से था जब मैंने मसीह को पाया था। मैंने अपने आप को, मेरे अपने विचारों को, अपनी खुद की बेहूदा बातों को, अपनी छोटी सी छोटी सी चीज को फाड़ दिया। मैंने सोचा, जब मैं छोटा था, बैपटिस्ट प्रचारक, मैं बस लगभग... मैं कुछ तो था। लेकिन, मैंने इसे फाड़ दिया; मैंने उसके वस्त्र को पहन लिया। और जब मैं यरदन के पास आता हूं, तो मैं अपने आप को उसके वस्त्र में लिपटा हुआ देखना चाहता हूं। वो इसके पीछे–पीछे आएगा। और हम एक दिन वहां पर पहुंचेंगे।

लेकिन आइए हम कुछ क्षण के लिए प्रार्थना करें।

126 स्वर्गीय पिता, जब हम आज सुबह अपने इस यरदन की ओर जयवंत के नाई बढ़ रहे हैं, और किसी दिन, हमें यरदन को कुछ तो देना होगा, अर्थात्, मृत्यु के लिए। और, ओह, यह कितनी भयानक बात होगी, परमेश्वर से एक अलगाव। हम उस ओर पार नहीं कर सकते है। नहीं। लेकिन एलिय्याह, जब वहां पहुंचा, तो वो एलीशा के वस्त्र को पहने हुए था... एलिय्याह के वस्त्र।

और जब उसने वस्त्र को ले लिया... एलिय्याह के, वो मनुष्य जो आपकी दृष्टि में सही रीति से प्रसन्न करने वाला था, और आपने उसे ग्रहण किया था, और अपने साथ स्वर्ग में ऊपर उठा लिया था। और एलीशा उसके वस्त्र को पहने हुए था, सो उसने यरदन को, मृत्यु को, एलिय्याह के वस्त्र को समक्ष रखा। और इसे स्वीकार किया गया था, और यरदन खुल गयी, और वह चलकर पार हो गया।

127 प्रिय परमेश्वर, किसी दिन, हमें वहां पर आना होगा। हम अपने अच्छे कार्यों को समक्ष नहीं रख सकते; हमारे पास कुछ नहीं है। हम संसार में कुछ भी समक्ष नहीं रख सकते। मुझे यहाँ तक कुछ भी इच्छा नहीं है, कि समक्ष रखने कोशिश करूं, लेकिन मुझे पूरी तरह से यीशु की योग्यता पर भरोसा है। आपने उसे स्वीकार किया, और उसे मरे हुओं में से जिलाया, और उसे परमेश्वर की उपस्थिति में लाया गया और हमेशा के लिए बना रहेगा। और, परमेश्वर, मैं आपके समक्ष इसे रखना चाहता हूं, कि मैं उस पर विश्वास करता हूं, और मैं उससे प्रेम करता हूं। और, उसके अनुग्रह के द्वारा, उसने हमें उसके अपने वस्त्र पहनाए हैं। और मैं प्रार्थना करता हूं, पिता, कि अब आप युद्ध के दिनों में हमारी सहायता करेंगे। और जहां परमेश्वर के लोग, अवश्य ही परमेश्वर के कार्यो को करें, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमें मसीह के वस्त्र, पवित्र आत्मा की सामर्थ को लेने देंगे, और उस परमेश्वर के लिए पुकारें जो उसमें वास करता था। इसे प्रदान करें। हम मसीह के नाम में इसे मांगते हैं।

128 और जब हमने अपने सिरों को झुकाया है। मैं बस सोच रहा हूँ, यहाँ आज सुबह, यदि कोई एक व्यक्ति है जो इस वस्त्र के पहने बिना यरदन की ओर जाने की कोशिश कर रहा है। यदि कोई ऐसा व्यक्ति है जिसने आप पर यीशु मसीह का वस्त्र नहीं डाला है, और यद्यपि इसे एक बार परमेश्वर के पुत्र द्वारा पहना गया था। मैं सोचता हूं, यदि आज सुबह आपके पास वो नहीं है, यदि आप परमेश्वर की ओर हाथ उठाकर और कहे, "प्रिय परमेश्वर, इस घडी, मैं अब इसे स्वीकार करना चाहता हूं।"

129 परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। क्या कोई और अपने हाथ को ऊपर उठाएगा? परमेश्वर आपको आशीष दे, पुत्र। कोई और है, बस अपने हाथ को ऊपर उठाएगा? परमेश्वर आपको आशीष दे, छोटे लड़के।

परमेश्वर आपको आशीष दे, जवान पुरुष। कोई और है जो उसके हाथ को उठाएगा? परमेश्वर आपको आशीष दे, वहाँ पीछे, महोदय।

130 बस ऐसा कहे, "परमेश्वर की सहायता से, आज सुबह, मैं अपनी खुद की धार्मिकता को छोड़ना चाहता हूं, मेरे खुद के इरादे, और मेरे सुख–विलास और बड़े समय के विचार, और पाप जिसमें मैंने जीया हूँ। और मैं चाहता हूं कि आज सुबह मसीह अपने वस्त्र को मुझ पर डाले, कि मैं उसके वस्त्र का उपयोग करूं। मैं जानता हूं कि यह एक सिद्ध है।" परमेश्वर आपको आशीष दे, पुत्र। कोई और कहेगा, "और मैं बस उठाऊंगा... "

131 आप अपने हाथ को उठाकर, कहे, "मैं अब अपने जीवन में पवित्र आत्मा को स्वीकार करना चाहता हूं। मैं उसकी धार्मिकता के वस्त्र को पहनना चाहता हूँ। जब मैं उस दिन वहां पर जाऊंगा, तो मैं खुद को सामने रखकर नहीं और ऐसा नहीं कहूंगा, 'खैर, अब, आप जानते हैं कि मैंने किसी को कुछ कोयला लाया था। मैंने ऐसा किया।'" यह अच्छा है, यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन यह... आपके जीने के लिए, किसी को तो मरना था, और केवल उसके कार्य के द्वारा ही आप को बचाया जा सकता है। क्या आप अपने हाथ को ऊपर उठाएंगे? कहे, "मसीह, मैं अब खुद के मार्ग को छोड़ता हूं। मैं आपके मार्ग को स्वीकार करता हूं। मैं चाहता हूं आप मुझ पर दया करें जब मैं मार्ग के अंत में आऊं? " तो ठीक है। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे। तो ठीक है।

अब हम प्रार्थना करने जा रहे हैं।

132 अब, धर्मी, स्वर्गीय पिता, कुछ सात, आठ, दस हाथ ऊपर की ओर गये हैं। मैं उनकी स्थिति को नहीं जानता। आप उनके बारे में सब जानते हैं। मैं नहीं जानता। लेकिन आज वे आवश्यकता में है। और वे महसूस करते हैं कि वे आवश्यकता में हैं, और वे आने की इच्छा रखते है और सहायता को स्वीकार करने की इच्छा को रखते हैं; यह देखते हुए, वो बड़ी घडी जो अब नजदीक है, वे परमाणु बम, वो बड़ी–बड़ी चीजें जो हमारे लिए रुकी हुई हैं।

133 और मैं प्रार्थना करता हूं, स्वर्गीय पिता, कि आप इन लोगों को आशीष देंगे, और आज आपका हाथ उन पर रखे, और उनके सब अधर्म और सन्देह को दूर कीजिये। और होने पाए वे खुद की धार्मिकता के पुराने कीट–खाए हुए वस्त्र को फेंक दें, जहां नष्ट करने वाले कीड़े और झींगुर हैं,

और अन्धविश्वास के कीड़े और कलीसिया के लोग, उसमें से होकर छेद कर दिया है, और (वे) ये अब और नहीं टिकेगा। होने पाए कि वे बस इसे फेंक दें, और वहां पर जाकर और प्रभु यीशु के वस्त्र को ले ले। कहे, "मैं उस पर भरोसा करता हूं। मैं अपने आप को अपनी धार्मिकता में नहीं लपेटू, न ही खुद के विचारों में। लेकिन, इस घड़ी से लेकर, मैं आप पर भरोसा करूं।" प्रदान करें कि वे इसे ग्रहण करें, पिता, क्योंकि हम इसे मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

एक उपयोग किया हुआ वस्त्र HIN56-1125M

(A Secondhanded Robe)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में 25 नवंबर, 1956 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org